**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**23.07.2025 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 612 का उत्तर**

**समर्पित किसान रेल गलियारा**

**612. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) क्या समर्पित किसान रेल गलियारों में अब शीघ्र खराब होने वाले उत्पादों के लिए जनजातीय क्षेत्रों को शामिल किया जाता है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ख) गत वर्ष जनजातीय जिलों से निकलने वाले शिपमेंटों की संख्या क्या है;**

**(ग) क्या छोटे किसानों के लिए दरों पर सब्सिडी दी गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(घ) संग्रह केन्द्रों पर उपलब्ध कोल्ड-चेन अवसंरचना का ब्यौरा क्या है; और**

**(ङ) क्या जनजातीय किसान संघ किसी भी परामर्श में शामिल हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ङ): फलों और सब्जियों सहित नश्यवान उत्पादों को उत्पादन अथवा अधिशेष क्षेत्रों से खपत या कमी वाले क्षेत्रों में नियत समय में संचलन के लिए किसान रेल गाड़ियों का उपयोग किया जाता है।**

**कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और राज्य सरकारों के कृषि/पशुपालन/मत्स्यपालन विभागों और स्थानीय निकायों तथा एजेंसियों, मंडियों आदि के परामर्श से सब्जियों, फलों और अन्य**

**नश्यवान पण्यों को भेजने के लिए संभावित सर्किटों की पहचान की जाती है तथा परिचालनिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए मांग के आधार पर लागू शुल्क पर सेवाएं प्रदान की जाती हैं।**

**7 अगस्त, 2020 से किसान रेल सेवा के शुरू होने से लेकर अब तक रेलवे ने लगभग 2,364 किसान रेल सेवाएं परिचालित की है और लगभग 7.9 लाख टन नश्य उत्पादों का परिवहन किया है।**

**हाल ही में, नश्यवान उत्पादों के परिवहन के लिए दिनांक 15.10.2024 से देवलाली-दानापुर के बीच शेतकारी समृद्धि स्पेशल ट्रेन 01153 के परिचालन के साथ एक पहल शुरू की गई है। इस गाड़ी का नाशिक, लासलगांव, मनमाड, जलगांव, भुसावल, बुरहानपुर और खंडवा पर ठहराव है। अब तक 40 फेरे चलाए गए हैं और 3,256 टन नश्य उत्पादों का लदान किया गया है जिससे 1.16 करोड़ रुपए की आय हुई है।**

**भारतीय रेल फलों और सब्जियों सहित तापमान-नियंत्रित वातावरण अपेक्षित कार्गो की संचालन के लिए कन्टेनर कॉर्पोरेशन (कॉनकोर) के माध्यम से रेल आधारित रेफ्रीजरेटेड कंटेनर सेवाएं प्रदान कर रही है। वर्ष 2024-25 के दौरान, कॉनकोर द्वारा रेल के माध्यम से कुल 85,140 टीईयू का संचालन किया गया है। नाशिक, न्यू आजादपुर, दादरी और सोनीपत पर लगभग 129 करोड़ रुपए के कुल निवेश पर कॉनकोर की तापमान नियंत्रित भंडारण सुविधाएं स्थापित की गई हैं।**

******